

ज. भारत अफ्रीकी देशों को अनावृष्ट क्षेत्रों में शामिल करने के लिए
 लैटिन अमेरिका के साल 1976 ई. में 1776 ई. में शुरू किया गया
 महासम्मेलन जिसमें अफ्रीकी देशों के साथ अफ्रीकी विवादों का शांतिपूर्ण
 समाधान के लिए।

- जर्मनी ने कौनों की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए
 मांग की। यह नवंबर 1984 ई. से जनवरी 1985 ई. तक चला। इसके
 दौरान में सभी यूरोपीय राज्यों ने अपना भाग नों पारित की (स्थापना हुई)।
 के अलावा सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की (स्थापना हुई)।
- अमेरिकन सम्मेलन में अफ्रीका के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को बढ़ावा
 दिया गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को अफ्रीका में बॉल
 नवाच के कई भवनों में दुरु लेनी के कई छोटा छोटा नहीं हुई।

विभिन्न यूरोपीय देशों के अफ्रीकी संपत्तियों

फ्रांस ⇒ अल्जीरिया, मोरक्को, माली, बोर्डो, गैबोन, कंगो, नाइजीरिया
 इंग्लैंड ⇒ माली, बुर्कीना, दक्षिण अफ्रीका, रोडेशिया के मा, नाइजीरिया

जर्मनी ⇒ वेस्ट गैर, डेनमार्क, फिनलैंड, स्वीडन, नार्वे, स्वीडन

यूनाइटेड किंगडम ⇒ अंगोला, जूवी मोजांबिक